मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 226, मुंबई, मंगलवार, 17 नवंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI
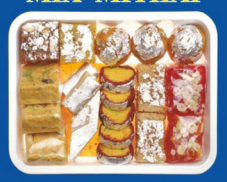
• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

कोरोना ने फुलाई दिल्ली की सांसें

बढ़ते केसों के मामले में दुनिया में अब तक की सबसे खराब स्थिति

नई दिल्ली। नवंबर में दिल्ली ने दैनिक नए कोविड-19 केसों में जो बढ़ोतरी देखी है, वो सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के किसी भी शहर की तुलना में दैनिक नए केसों को लेकर अब तक की संभवतः सबसे खराब स्थिति है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी में स्थित सेंटर फॉर सिस्टम्स साइंस एंड इंजीनियरिंग ने दुनिया के उन सभी देशों का डेटा संकलित किया, जो कोविड-19 केसों को रिपोर्ट कर रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी ने टिकट देकर सेवा करने का दिया मौका, अब चाहिये जनता का आशीर्वादः बाजिया

पंचायत समिति सदस्य वार्ड 13 कांग्रेस उम्मीदवार ने की कार्यकर्ताओं के साथ बैठक, जनसम्पर्क की रणनीति पर की चर्चा

बिल्डर एंड डेव्हलपर्स सलीम तंवर जी, दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद खान जी व उपसंपादक फैसल खान जी ने भंवरलाल बाजिया जी का हौसला बढ़ाते हुए कहा की अगर भंवरलाल बाजिया जी को हमारी कहीं पर भी जरूरत होगी तो हम उनके साथ हमेशा खड़े रहेंगे, साथ ही भंवरलाल बाजिया जी को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी

संवाददाता

जागौर। ग्राम मिठड़िया में मंगलवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं व आमजन के साथ बैठक कर चर्चा की। डेगाना पंचायत समिति वार्ड संख्या 13 चांदारूण, मिठड़िया व कत्यासनी कला क्षेत्र कांग्रेस उम्मीदवार व समाजसेवी भंवरलाल बाजिया मिठड़िया ने कार्यकताओं से चर्चा की। कांग्रेस उम्मीदवार भंवरलाल बाजिया ने कहा कि क्षेत्र की जनता की सेवा के लिए हर समय तत्पर रहेंगे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

नीतीश 7वीं बार बिहार के सीएम

नीतीश पर हावी रहेगी भाजपा!

सरकार के साथ-साथ 'सुशासन बाबू' के सामने हैं कई चुनौतियां

पटना। नीतीश कुमार ने सोमवार को सातवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ दो डिप्टी सीएम भी होंगे। लेकिन नीतीश कुमार के सामने इस बार बड़ी चुनौतियां हैं। नीतीश के सामने चुनौतियां इसलिए ज्यादा हैं क्योंकि इस बार बीजेपी उनसे ज्यादा मजबूत है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

पूरे कैलकुलेशन के साथ चलते हैं चाल

नीतीश कुमार की एक एक चाल में राजनीति का पूरा कैलकुलेशन होता है। जिस बीजेपी के साथ आज उन्होंने सरकार बनाई, उसे उन्होंने नरेंद्र मोदी के नाम पर 2013 में छोड़ भी दिया था। जिस लालू राज का उन्होंने बिहार में अंत किया था, 2015 में उनके साथ जाने से भी नहीं हिचके। और जब दो साल में माहौल बदला देखा तो 2017 में फिर से पुराने साथी बीजेपी के साथ आ गए। और अब इसी बीजेपी के साथ उन्होंने फिर से बिहार जीता और शपथ लेने के साथ चौथे कार्यकाल की शुरूआत की है।

महाराष्ट्र एमएलसी चुनाव

महाविकास अघाड़ी-बीजेपी में पहली बार आमने-सामने टक्कर

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी सरकार बनने के बाद पहली बार किसी चुनाव में सत्ताधारी दल और प्रमुख विरोधी दल बीजेपी के बीच सामने-सामने टक्कर होने जा रही है। विधान परिषद की स्नातक व शिक्षक वर्ग की पांच सीटों के लिए 1 दिसंबर को मतदान होंगे, लेकिन यह चुनावी गठबंधन ट्रायल के तौर पर देखा जा रहा है। अगर महाविकास अघाड़ी की जीत होती है, तो भविष्य में अघाड़ी के घटक दल मिलकर चुनाव लड़ सकते हैं और अगर इन्हें सफलता नहीं मिली, तो अघाड़ी पर ही संकट के बादल मंडराने लगेंगे। महाराष्ट्र में एनसीपी, शिवसेना और कांग्रेस ने मिलकर सरकार बनाई है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सिनेमा के क्षितिज पर

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा 2024 में एक यान चंद्रमा पर भेजेगी, जिसमें पहली बार कोई महिला इस उपग्रह की सतह पर उतरेगी। साथ में एक पुरुष भी होगा। यह सब नासा के उस आर्टेमिस प्रोग्राम का एक हिस्सा है, जिसके तहत चांद पर खनिजों की खोज शुरू होगी और फिर उनके खनन पर भी सोचा जाएगा। नासा जिस तरह की एजेंसी है और उसके पास उपलब्धियों का जो इतिहास है, उसमें यह सब कोई बड़ी बात नहीं है, यह सब तो वह बहुत आसानी से कर सकती है। लेकिन इस बार बड़ी बात यह है कि वह चांद के अभियान के साथ ही धरती के कुछ फिल्मी सितारों को भी जोड़ना चाहती है। वह ऐसी फिल्मी कहानियों, कंपनियों, ऐसे निमार्ताओं और ऐसे फिल्म निर्देशकों की तलाश कर रही है, जो उनके आर्टेमिस अभियान पर बहुत जोरदार फसाना फिल्म बना सकें। फिल्मी दुनिया में यह कहावत चलती है कि फिल्म बनाना कोई रॉकेट साइंस नहीं है, लेकिन रॉकेट साइंस की दुनिया की सबसे बड़ी माहिर नासा की दिक्कत है कि वह रॉकेट तो बना सकती है, लेकिन फिल्म बनाने की उसके पास कोई महारत नहीं है। इसलिए उसने यह भी तय किया है कि वह सिर्फ फिल्म ही नहीं बनवाएगी, बल्कि उसमें बहुत बड़ा निवेश भी करेगी। अब अमेरिका से बहुत दूर चलते हैं, रूस की तरफ जहां एक ऐसा टेलीविजन कार्यक्रम बनाने की तैयारी चल रही है, जो पूरी तरह अंतरिक्ष में ही शूट होगा। इन दिनों इसके लिए एक हीरोइन की तलाश चल रही है। एक ऐसी हीरोइन की जो अंतरिक्ष यात्री भी हो या फिर एक ऐसी अंतरिक्ष यात्री की भी, जो हीरोइन की भूमिका भी निभा सके। जो खोज चल रही है, उसमें सभी संभावित उम्मीदवारों में उनकी सूरत और अभिनय क्षमता ही नहीं देखी जा रही, बल्कि यह भी देखा जा रहा है कि उनकी शारीरिक नाप-जोख और दम-खम अंतरिक्ष यात्री बनने लायक है या नहीं। लेकिन अचानक अंतरिक्ष एजेंसियों को फिल्म वालों की और फिल्म वालों को अंतरिक्ष यात्रियों की जरूरत क्यों पड़ने लगी? नासा को यह बात समझ आ गई है कि 1969 में जब उसने पहली बार किसी मानव को चांद पर भेजा था, उसके बाद से आज तक चांद ने धरती के और धरती ने सूर्य के न जाने कितने चक्कर लगा लिए हैं। अंतरिक्ष में भले ही बहुत कुछ न बदला हो, लेकिन धरती पर बहुत कुछ जरूर बदल गया है। वह समय था, जब लोग हफ्तों तक टेलीविजन पर आंखें गड़ाए एक-एक घटना को देखते रहे थे। भारत में जहां ज्यादातर जगहों पर टेलीविजन नहीं था, वहां लोग रेडियो और ट्रांजिस्टर पर कान गड़ाए हर खबर सुनते थे। नासा को लगता है कि अब जब चांद पर यान भेजा जाएगा, तो लोग और खासकर नई पीढ़ी के लोग इस तरह दिलचस्पी लेंगे, इसकी उम्मीद नहीं है। सूचना प्रौद्योगिकी युग की यह पीढ़ी विज्ञान के इतने चमत्कार देख चुकी है कि अब उसे किसी मानव के चांद पर पहुंचने में किसी अजूबे का एहसास नहीं होगा। और जहां तक टीवी का मामला है, यह पीढ़ी खबरों से ज्यादा दिलचस्पी नेटफ्लिक्स जैसी स्ट्रीमिंग सेवाओं में लेती है। इसलिए नासा को लगता है कि इस पीढ़ी की दिलचस्पी भी इसी रास्ते से जगाई जा सकती है। सो इसके लिए कहानी और निमार्ता, निर्देशकों की तलाश शुरू हो गई है। कभी अंतरिक्ष अभियान फिल्मों की प्रेरणा बनते थे, अब अंतरिक्ष अभियानों को फिल्मों की जरूरत आन पड़ी है।

बाइडन के समक्ष पार्टी के विभाजित धड़ों को साधकर प्रशासन में समायोजित करना सबसे बड़ी चुनौती

अब यह तय हो चुका है कि जो बाइडन अमेरिका के अगले राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी जनादेश स्वीकार करने को लेकर शुरूआती ना-नुकुर के बाद सत्ता हस्तांतरण की तैयारी के लिए मन बना लिया है। इसके बाद संदेह की बची-खुची गुंजाइश भी समाप्त हो गई हैं। चूंकि ट्रंप ने अपने शासनकाल में न केवल घरेलू राजनीति के सांचे को बदल दिया, बल्कि वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी रुख-रवैये को भी नाटकीय रूप से बदल दिया, ऐसे में बाइडन की नीतियों और उनके संभावित प्रशासन की संरचना को लेकर उत्सुकता बढ़ना स्वाभाविक ही है।

फिलहाल सबसे अधिक अटकलें संभावित बाइडन प्रशासन को लेकर लग रही हैं। इसमें संदेह नहीं कि ट्रंप जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के सामने जीतकर डेमोक्रेट खेमा उत्साहित है, लेकिन यह जीत भी पार्टी के भीतर खेमेबाजी पर पर्दा नहीं डाल पाई है। वास्तव में इस जीत ने पार्टी के भीतर बंटे धड़ों के बीच विरोधाभासों को और उजागर करने का ही काम किया है। दरअसल बाइडेन को भारी-भरकम जीत हासिल नहीं हुई है और मामूली अंतर से मिली इस जीत पर पार्टी के अलग-अलग धड़े अपना-अपना दावा कर उसका श्रेय ले रहे हैं। प्रगतिशील खेमा इसे अपनी उदार नीतियों की जीत बता रहा है। वहीं परंपरागत मत वाले नेताओं का मानना है कि राजनीतिक रूप से पार्टी को मजबूत बनाने के लिए उसे रिपब्लिकन पार्टी के गढ़ माने जाने वाले राज्यों में भी सेंध लगानी होगी, जिसके लिए नीतियों और रुख-रवैये में आवश्यक बदलाव की दरकार होगी। इन दोनों गुटों के बीच बाइडन जैसे मध्यमार्गी नेताओं का भी एक समूह है, जो इनके बीच संतुलन साधने में विश्वास रखते हैं। इन स्थितियों को देखते हुए अपने प्रशासन को आकार देना बाइडेन के लिए टेढ़ी खीर साबित होने जा रहा है। जीत का अंतर बहुत ज्यादा न होने की वजह से खुद उनके हाथ भी बंधे हुए ही हैं। ऐसे में फिलहाल सभी की नजरें इसी पर टिकी हैं कि वह अपने प्रशासन में किन चेहरों को शामिल कर किसे कौनसा प्रभार देते हैं। अभी तक छन-छनकर आ रही खबरों के मुताबिक बर्नी सैंडर्स श्रम मंत्री के रूप में उनके साथ जुड़ सकते हैं। कुल मिलाकर पार्टी के सभी धड़ों को साधकर उन्हें समायोजित करना ही बाइडन के समक्ष फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती है। इसके बाद निगाहें उनकी नीतियों पर लगेंगी। अमेरिका विश्व व्यवस्था का अघोषित अगुआ रहा है, जिस भूमिका पर ट्रंप के दौर में कुछ प्रश्न चिन्ह लगे। ट्रंप प्रशासन में अमेरिका विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनेस्को, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद, ईरान परमाणु करार और पेरिस जलवायु समझौते से अलग हो गया। ऐसे कई मामलों में अमेरिकी रुख हैरान करने वाला था। अब उम्मीद है कि बाइडन ट्रंप की इन नीतियों को पलटेंगे। हालांकि इन संस्थाओं से वापस जुड़ने के लिए बाइडेन उनमें सुधारों की मांग को लेकर दबाव अवश्य डाल सकते हैं। वहीं नाटो के मामले में ट्रंप का रुख अपने पूर्ववर्ती राष्ट्रपतियों से अलग नहीं था, बस उनके तेवर जुदा थे। असल में जॉर्ज डब्ल्यू बुश के जमाने से अमेरिका नाटो में अपने सहयोगियों पर दबाव डालता आया है कि संसाधन संपन्न यूरोपीय राष्ट्र इस सामरिक गठजोड़ में अपना वित्तीय योगदान बढ़ाएं और उसका अधिकांश बोझ अमेरिका पर न डालें। ट्रंप ने भी यही रवैया अपनाया था, लेकिन उनके मुखर और अक्खड़ स्वभाव से यह मसला सुर्खियों में छा गया। बाइडन भी नाटो के मंच पर अमेरिकी हितों की पैरवी जारी रखेंगे, बस उनका तरीका और तेवर बदले हुए होंगे। जहां तक भारत का प्रश्न है तो बाइडन के नेतृत्व में अमेरिका के साथ उसकी मैत्री और प्रगाढ़ ही होगी। हालांकि भारत में कुछ लोग इस मुद्दे को तूल दे रहे हैं कि अपने निर्वाचन के बाद बाइडन अब तक जापान, दक्षिण कोरिया से लेकर जर्मनी और ब्रिटेन समेत कुछ देशों के नेताओं से फोन पर संपर्क साध चुके हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी से उन्होंने अब तक बात नहीं की है। ऐसे मुद्दे छेड़ने वाले भला यह क्यों भूल जाते हैं कि ये सब अमेरिका के पारंपरिक साझेदार हैं और इनमें से कुछ देशों की संप्रभु सुरक्षा का दायित्व तक अमेरिका के पास है। ऐसे में इन देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति का संपर्क परंपरा के अनुकूल ही है, जिसे ज्यादा तवज्जो देने की आवश्यकता नहीं। देर-सबेर बाइडन मोदी से भी संपर्क करेंगे। दोनों नेताओं को ओबामा प्रशासन के दौरान परस्पर सक्रियता और संवाद का अनुभव भी है। बहरहाल भारत अमेरिका का पारंपरिक साझेदार भले न हो, परंतु हाल के वर्षों में उसकी अहमियत और हैसियत अमेरिका के लिए बहुत बढ़ी है। समकालीन भू-राजनीति के दृष्टिकोण से अमेरिका को भारत की महत्ता कहीं अधिक महसूस हो रही है, जिसकी अनदेखी बाइडन भी नहीं करेंगे। ऐसे में सामरिक मोर्चे पर दोनों देशों की सहभागिता निरंतर बढ़ना तय है। कुछ पेच व्यापार संधि को लेकर अवश्य फंस सकता है, क्योंकि ट्रंप प्रशासन के साथ एक लघु व्यापार संधि पर भारत की वार्ता निर्णायक चरण में थी। अब इस प्रक्रिया को नए सिरे से शुरू करना पड़ सकता है। साथ ही इस राह में दोनों पक्षों को कुछ आधारभूत अड़चनें भी दूर करनी होंगी। इस बीच बाइडन ट्रंप के दौर में भारत को मिले जीएसपी दर्जे को फिर से बहाल करते हैं तो यह बहुत अच्छा प्रतीकात्मक कदम होगा। एच1बी वीजा सहित आव्रजन नीतियों को लेकर भी बाइडन से उदार रवैये की अपेक्षा है।

नाकाम साबित होता न्यायिक तंत्र

हाल में गाजीपुर, उत्तर प्रदेश की विधायक अलका राय की वह चिट्ठी चर्चा में थी जो उन्होंने कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी वाड्रा को लिखी थी। इस चिट्ठी में उन्होंने सवाल किया था कि कांग्रेस मुख्तार अंसारी को क्यों बचा रही है? अलका उसी क्षेत्र से विधायक हैं, जहां से उनके दिवंगत पति कृष्णानंद राय पहले विधायक थे और नवंबर 2005 में दिनदहाड़े उनकी नृशंस हत्या कर दी गई थी। उनके शरीर से 21 गोलियां निकली थीं और उनके पांच सहयोगी/सुरक्षाकर्मी भी मौके पर मारे गए थे। उस मुकदमे की जांच सीबीआइ ने की और मुकदमा भी दिल्ली में चला, परंतु 12 साल बाद आए फैसले में सभी आरोपी छूट गए। इससे सभी हैरान हुए। चूंकि कृष्णानंद राय पर हमले का अंदेशा था, इसलिए उन्हें सरकारी सुरक्षा दी गई थी। वह हमेशा बुलेटप्रूफ गाड़ी से चलते थे। घटना के दिन उन्हें गांव के पास ही एक क्रिकेट मैच का उद्घाटन करना था, लिहाजा वह सामान्य गाड़ियों को लेकर ही चले गए। साजिशकर्ता शातिर थे। उन्होंने इस दो-तीन घंटे की

चूक में ही अपना काम अंजाम दे दिया। घटना होते ही पूरे गाजीपुर जनपद को मालूम हो गया कि हत्या किसने की या कराई है, परंतु तंत्र को 12 साल में नहीं मालूम हो सका कि दोषी कौन थे? लगभग 12 साल आपराधिक न्यायदायी तंत्र की प्रक्रिया चली, परंतु समुचित साक्ष्य के अभाव में मुजरिमों को अदालत को छोड़ना पड़ा। सवाल है कि हमारे देश में न्याय मिलना इतना कठिन क्यों हो गया है? शासन की पहली जिम्मेदारी हर नागरिक की सुरक्षा और न्याय दिलाना है। इसी को कानून का राज कहते हैं, परंतु यह हो कहां पा रहा है। कहा जाता है कि किसी खंडहर की बार-बार मरम्मत कर उसे कामचलाऊ बनाया जा सकता है, परंतु वह अंततः रहेगा खंडहर ही। उसमें सांप और बिच्छू आदि पलते-निकलते रहेंगे। दरअसल अंग्रेजों द्वारा हमें दिए गए वर्षों पुराने न्याय तंत्र रूपी खंडहर को जब तक गिराकर हम अपने देश, काल, सोच और मानसिकता के अनुरूप नया तंत्र नहीं खड़ा करेंगे, तब तक कुछ होने वाला नहीं है। अंग्रेजों ने ये सारे आपराधिक कानून 1857 के विद्रोह के बाद बनाए थे, जिनका एकमात्र उद्देश्य था कि देश में पुनः कोई विद्रोह न खड़ा हो। तब जिलाधिकारी पूरा तंत्र चलाता था। सारी शक्तियां उसी में केंद्रित थीं और जवाबदेही भी उसी की होती थी। उसका निर्णय ही सामान्यतः अंतिम निर्णय होता था। उस समय देश की सामान्य जनता की भी सोच और मानसिकता अपराध विरोधी थी। समाज अपराधियों का महिमामंडन नहीं करता था, लेकिन आज की स्थिति बिल्कुल उलटी है। पहले चंबल के डकैत गिरोह भी सरेंडर नहीं करते थे।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई, मंगलवार
17 नवंबर, 2020

हाजी अली के कचरे से बनेगी बिजली

बीएमसी ने बनाया कचरा प्रॉसेस सेंटर

मुंबई। मुंबई में देवनार के साथ ही हाजी अली में भी कचरे से बिजली बनाई जाएगी। बीएमसी ने हाजी अली के पास कचरा प्रॉसेस सेंटर तैयार करने की योजना बनाई है। यहां से हर साल 1.82 लाख यूनिट बिजली उत्पादन की योजना है। यहां प्रतिदिन 2 मीट्रिक टन कचरे का प्रोसेस किया जा सकेगा। इससे बीएमसी के कचरा ढोने के खर्च में कमी आएगी। मेयर किशोरी पेडणेकर, बीएमसी कमिश्नर आई. एस. चहल और अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने दिवाली से पहले हाजी अली में उस स्थान का दौरा किया, जहां पॉवर प्रोजेक्ट बनाने की योजना है। देवनार डंपिंग ग्राउंड में 600 मीट्रिक टन कचरे का प्रोसेस करके बिजली उत्पादन की योजना को मंजूरी मिली है। उसी तरह का प्रॉजेक्ट हाजी अली के पास भी तैयार किया जाएगा। यहां 1,400 वर्ग मीटर भूखंड पर यह कचरा प्रोसेस सेंटर बनेगा। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि मार्च 2021 से यह प्रोसेस सेंटर शुरू करने की योजना है।

'तलोजा में भी बनाया जाएगा': बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया, अभी मुंबई में सिर्फ देवनार और कांजुरमार्ग में कचरे को अलग-अलग करने की व्यवस्था है। पूरी मुंबई से कचरा इकट्ठा कर उसे कांजुरमार्ग और देवनार ले जाने में काफी खर्च आता है। इसीलिए भविष्य में तलोजा में भी कचरा प्रोसेस सेंटर बनाने की योजना है। इन सभी पहलुओं पर ध्यान देते हुए बीएमसी ने अभी से विभाग स्तर पर कचरे की प्रोसेसिंग को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है।

खाद भी बनती है: ➔ गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग इकट्ठा किया जाता है। ➔ छोटे स्थानों और सोसायटी में गीले कचरे से खाद बनाई जाती है।

बेंगलुरु से मुंबई लाया जाएगा गैंगस्टर रवि पुजारी

एमएनएस नेता की हत्या की साजिश के संबंध में होगी पूछताछ

संवाददाता

मुंबई। इसी साल दक्षिण अफ्रीका में गिरफ्तार कुख्यात गैंगस्टर रवि पुजारी को जल्द ही मुंबई लाया जाएगा। 10 दिसंबर से पहले उसे बेंगलुरु से मुंबई लाने की अनुमति मिल गई है। पिछले हफ्ते शुक्रवार को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की ऐंटी एक्सटॉर्शन सेल के आवेदन को बेंगलुरु कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। बता दें कि रवि पुजारी को इसी साल अफ्रीका से भारत लाया गया था। कोर्ट ने क्राइम ब्रांच को 10 दिसंबर से पहले किसी भी वक्त 10 दिनों के लिए रवि पुजारी को मुंबई ले जाने की इजाजत दी है। मुंबई पुलिस 2015 में एमएनएस नेता राजू पाटील की हत्या की साजिश

के संबंध में रवि पुजारी से पूछताछ करेगी। पुलिस ने मुंबई कोर्ट में केस के लंबित होने का हवाला देते हुए बेंगलुरु अडिशनल सिटी सिविल और सेशन जज एसआर माणिक्य के समक्ष अर्जी लगाई थी। केस में 6 लोगों के खिलाफ ट्रायल पहले से ही खत्म हो चुका है और स्पेशल कोर्ट दिसंबर में अपना फैसला सुनाएगी। हालांकि रवि पुजारी जो इतने सालों तक गिरफ्त से बाहर था और उसका नाम भी वांटेड आरोपी में शामिल था, इसलिए उसका ट्रायल अलग चलाया जाएगा। मुंबई में मामले के ट्रायल देख रहे स्पेशल कोर्ट जज ने हाल ही में बेंगलुरु कोर्ट को लेटर जारी करके जेल प्रशासन को पुजारी की कस्टडी मुंबई पुलिस को देने की गुजारिश की थी। पुजारी के वकील ने हालांकि आपत्ति दाखिल की थी और तर्क दिया था कि जिस केस के लिए उसकी कस्टडी मांगी जा रही है उसका जिक्र प्रत्यर्पण आदेश में नहीं था।

मुंबई में रवि पुजारी के खिलाफ 49 केस: रवि पुजारी को मुंबई कब लाया जाएगा, इस बारे में क्राइम ब्रांच के अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'दिवाली के तुरंत बाद ही, हम उसे मुंबई लाएंगे।' मुंबई में पुजारी करीब 49 केस में आरोपी है। इनमें से 26 केस मकोका के कहत दर्ज हैं। 11 केसों में उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी हो चुकी है।

द्वितीय विश्व युद्ध में भाग लेने वाले नौसेना के पूर्व अधिकारी का 97 साल की उम्र में निधन

मुंबई। भारतीय नौसेना में पूर्व चीफ ऑफ मैटेरियल्स वाइस एडमिरल (सेवानिवृत्त) जॉन थॉमस गोसलीन परेरा का सोमवार को यहां निधन हो गया। वह कुछ समय से बीमार थे। पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। परेरा 97 वर्ष के थे। वर्ष 1958 में युद्धपोत आईएनएस दिल्ली में उनके साथ काम करने वाले वाइस एडमिरल आई सी राव (सेवानिवृत्त) ने बताया कि परेरा नौसेना के उन अंतिम जीवित अधिकारियों में से एक थे, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सेवा में रहे थे। उन्होंने बताया कि वाइस एडमिरल (सेवानिवृत्त) परेरा का दक्षिण मुंबई में नौसेना के अस्पताल आईएनएसएच अश्विनी में आज तड़के निधन हो गया। परेरा 1979 में सेवानिवृत्त होने के बाद

रायगढ़ जिले से सटे तटीय शहर उरण में बस गए थे। राव ने कहा, नौसेना के साथियों के बीच जेटीजी के नाम से मशहूर परेरा 1971 के युद्ध में पश्चिमी नौसेना कमान के चीफ स्टाफ ऑफिसर (तकनीक) थे। युद्ध के दौरान उल्लेखनीय सेवा के लिए उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम) से सम्मानित किया गया था। उन्होंने कहा, जेटीजी के नेतृत्व में ही बेड़े और मिसाइल नौकाओं की बड़ी मेहनत के साथ तैयारी की गई थी, जिसने 1971 की लड़ाई में हमें जीत दिलाई।

(पृष्ठ 1 का शेष)

कांग्रेस पार्टी ने टिकट देकर सेवा करने का दिया मौका, अब चाहिये जनता का आशीर्वादः बाजिया

जनता ही जनार्दन होती है, इसलिए जनता व क्षेत्रवासियों की सेवा करने के लिए ही चुनावी मैदान में उतरे है। कांग्रेस पार्टी की सरकार है, तो विधायक भी कांग्रेस पार्टी के है। आने वाले समय में जनता जब मौका देगी, ग्रामीण क्षेत्र में बिकास के पंख लगाएंगे। इस मौके पर सोहनलाल सींवर, राजेन्द्र डूडी, ओमप्रकाश रांडा, बंशीलाल पूनियां, हरिराम चोयल, रामनिवास कड़वा, सोहनलाल नाईक, खेमाराम मेघवाल, मंगलाराम चौकीदार, रूपाराम चोयल, खेमाराम लोयल, पांचाराम भाकर, किशन खालिया, मोती खालिया, नोरत महाराज, लिखमाराम प्रजापत, लक्ष्मण बिन्दा, मोतीनाथ, पूर्व सरपंच भंवरलाल रेगर, मोतीराम डूडी सहित कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद थे। इसके साथ ही बाजिया ने जनसम्पर्क पूरे क्षेत्र में करने, कार्यकर्ताओं सहित आमजन से प्रत्येक व्यक्ति से मिलकर साथ लेने की भी चर्चा की।

नीतीश 7वीं बार बिहार के सीएम

बीजेपी के साथ उनका रिश्ता तो सीएम वाला ही है लेकिन शर्तें नई हैं। ये नई सरकार में भी दिख रहा है। लेकिन नीतीश कुमार आज भी कितने ही कमजोर हों, वो कच्चे खिलाड़ी नहीं हैं। 20 साल से बिहार की राजनीति में उनका दबदबा है। इतने उतार-चढ़ाव के बीच भी सीएम की कुर्सी पर आज भी वही हैं। उनके लिए चुनौतियां जरूर हैं, लेकिन उनके सियासी दांव पेच कई चुनौतियों को मात दे चुके हैं। 20 साल पहले नीतीश कुमार पहली बार सीएम बने थे। लेकिन 7 दिन में ही कुर्सी चली गई थी। 7 दिन का सीएम कहकर उनका बहुत मजाक उड़ाया गया था। किसने सोचा था, वही 7 दिन के सीएम नीतीश कुमार नया रिकॉर्ड बना देंगे। किसने सोचा था कि नीतीश कुमार सातवीं बार बिहार के सीएम पद की शपथ लेंगे। नीतीश दो दशक से बिहार की राजनीति के चाणक्य हैं। वो जिधर होते हैं, बिहार में जीत उसी की होती है। इस बार के चुनाव में 15 साल की नाराजगी के बावजूद सीएम की कुर्सी पर अगर नीतीश कुमार बैठे हैं तो ये मामूली बात नहीं है। नीतीश कुमार अगर पांच साल सरकार चला लेंगे और सीएम बने रहेंगे तो वो बिहार में सबसे लंबे समय तक सीएम रहने का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिन्हा 17 साल 52 दिन मुख्यमंत्री थे। नीतीश कुमार अब तक 14 साल 82 दिन बिहार के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। नीतीश कुमार का 20 साल से बिहार में दबदबा है। लेकिन ये दबदबा ऐसे ही नहीं है। नीतीश कुमार उस दौर के नेता हैं, जिस दौर में बिहार में लालू यादव और रामविलास पासवान जैसे नेता निकले। लेकिन लालू और पासवान जैसी जातीय ताकत ना नीतीश के साथ थी, ना उन्हें शुरूआत में लालू और पासवान जैसी सफलता मिली। लगातार तीन हार के बाद पहला चुनाव नीतीश कुमार ने 1985 में जीता। 1989 में पहली बार वो लोकसभा पहुंचे। 1990 से उन्होंने बिहार में लालू यादव का उदय देखा। लालू की राजनीति के बीच 15 साल वो बिहार की राजनीति में जगह बनाने की कोशिश करते रहे।

महाराष्ट्र एमएलसी चुनाव

सरकार बनाए जाने के बाद कोरोना काल का दौर शुरू हो गया, जिससे महानगरपालिका, नगरपालिका, नगर परिषद, जिला परिषद जैसे दूसरे चुनाव नहीं हो पाए। इससे चुनाव लड़ने का किसी दल को अवसर नहीं मिला। अब पहला चुनाव विधान परिषद में शिक्षक व स्नानातकों का प्रतिनिधित्व करने वाली सीटों पर होने जा रहा है। जिस विभाग में मतदान होंगे, उसी क्षेत्र के रजिस्टर्ड स्नातक और अध्यापक मतदान उम्मीदवारों को कर सकेंगे। पांच सीटों पर होने वाले चुनाव में दो-दो सीटों पर कांग्रेस व एनपीसी और एक सीट पर शिवसेना ने उम्मीदवार उतारा है, जबकि बीजेपी ने पांच में से चार सीटों पर उम्मीदवार दिया है और एक सीट पर निर्दलीय को समर्थन दिया है। पांच सीटों पर होने वाले चुनाव में बीजेपी और महाविकास आघाडी एनसीपी, शिवसेना, कांग्रेस उम्मीदवार के बीच सामने-सामने की टक्कर है।

दुनिया का वो खुंखार तानाशाह, जिसके राज में देशभर के लोगों को मिलती थी मुफ्त बिजली

नई दिल्ली। आमतौर पर तानाशाहों को उनकी क्रूरता और बर्बरता के लिए जाना जाता है, लेकिन दुनिया में एक ऐसा भी तानाशाह था, जो खूंखार तो था ही, लेकिन इसके साथ ही उसने देश की जनता के लिए जो किया, वो शायद ही किसी देश के शासक या प्रधानमंत्री-राष्ट्रपति ने किया हो। इस तानाशाह के नाम है मुअम्मर गद्दाफी, जो लीबिया का पूर्व शासक था। गद्दाफी ने अपने राज में पूरे देश के लोगों का बिजली बिल माफ कर दिया था। लोग जितनी भी बिजली इस्तेमाल करते थे, उसका सारा खर्च सरकार उठाती थी। गद्दाफी ने अपने राज में यह तय कर दिया था कि लीबिया के हर नागरिक को उसका खुद का घर देना सरकार की जिम्मेदारी है। कहा जाता है कि गद्दाफी ने कसम खाई थी कि जब तक देश के हर व्यक्ति को उसका खुद का घर नहीं मिल जाता, तब तक वो भी अपने माता-पिता के लिए घर नहीं बनवाएगा। लीबिया का तानाशाह बनने के बाद गद्दाफी ने अपना खुद का बैंक खोल लिया था। इस बैंक की सबसे बड़ी सुविधा ये थी कि देश के लोगों को लोन लेने पर ब्याज नहीं देना पड़ता था, सिर्फ उन्हें ली हुई लोन की रकम ही चुकानी पड़ती थी। कहते हैं कि लीबिया में शादी करने वाले हर जोड़े को गद्दाफी की तरफ से 50 हजार डॉलर यानी करीब 35 लाख रुपये दिए जाते थे। इसके अलावा यहां बच्चों के जन्म के समय भी महिला और उसके बच्चे को करीब तीन लाख रुपये दिए जाते थे। मुअम्मर गद्दाफी को 'कर्नल गद्दाफी' के नाम से भी जाना जाता था। उसने लीबिया पर करीब 42 साल तक राज किया, लेकिन साल 2011 में 20 अक्तूबर को गद्दाफी को सिर्त शहर में एक संदिग्ध सैन्य हमले में मार गिराया गया।

प्रदूषण : चार साल का टूटा रिकार्ड

दिवाली पर दिल्लीएनसीआर में आपात स्थिति में पहुंची वायु गुणवत्ता

■ हवा चलने व बारिश से प्रदूषण छंटा पर गंभीर श्रेणी में बना रहा

नई दिल्ली (संवाददाता)। पटाखे जलाने और बेचने पर प्रतिबंध कारगर नहीं हो पाया। दिवाली पर कई इलाकों में पटाखे जलाने के कारण राजधानी में वायु प्रदूषण आपात स्थिति में पहुंच गया। हालांकि पिछले तीन दिनों से वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में चल रही थी। रविवार को हवा की गति 12 किमी तक रही और शाम को बारिश भी हुई। ऐसे में प्रदूषण कुछ हद तक छंटा जरूर लेकिन गंभीर श्रेणी में फिर भी बना रहा। एनसीआर के शहरों में भी कमोबेश यही हालत रही। सोमवार को प्रदूषण का स्तर और कम हो जाने के आसार है।

दिल्ली के बहुत से इलाकों में एयर इंडेक्स 500 और पीएम 2.5 का स्तर 1000 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर तक पहुंचने से हेल्थ इमरजेंसी वाले हालात बन गए। रविवार सुबह राजधानी में आसमान पर स्मॉग की मोटी परत दिखी। दिन चढ़ने के साथ इसमें सुधार होता गया। इससे दृश्यता का स्तर भी प्रभावित हुआ और रविवार सुबह साढ़े पांच बजे यह 400 मीटर तक दर्ज हुआ। सामान्य तौर पर दृश्यता का स्तर तीन हजार मीटर होना चाहिए। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शनिवार को दिवाली वाले दिन दिल्ली का एयर इंडेक्स 414 दर्ज हुआ था जबकि रविवार को 435 रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले दिवाली की रात को एक्यूआई 465 तक पहुंच गया था।

465 तक पहुंचा दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक

पराली के धुएं से बिगड़े हालात

पटाखों के धुएं में पराली का धुआं मिलने से दिवाली कर रात दिल्ली की हवा और भी दमघोंटू हो गई थी। सफर के मुताबिक शनिवार को पंजाब-हरियाणा में पराली जलाने की 2586 घटनाएं रिकॉर्ड की गई। दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी 32 फीसद तक रही। इसके विपरीत रविवार को यह महज चार फीसद और घटनाएं 350 दर्ज हुई।

दिवाली पर एक्यूआई

2020	435
2019	368
2018	390
2017	403

NCR में वायु गुणवत्ता

फरीदाबाद	414
गाजियाबाद	448
नोएडा	441
ग्रेटर नोएडा	417
गुरुग्राम	425

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के महंगाई भत्ते में जल्द हो सकती है बढ़ोतरी

नई दिल्ली। सरकार ने फैसला लिया है कि केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के महंगाई भत्ते (डीए) में इस साल कोई इजाफा नहीं होगा। लेकिन, अगले साल जुलाई में महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की उम्मीद है। आगामी वर्ष जुलाई में यह चार फीसदी बढ़ सकता है। हालांकि इस पर कोई अधिकारिक बयान नहीं आया है। खबर के अनुसार, अगर महंगाई भत्ता चार फीसदी की दर से बढ़ाया जाता है, तो इससे सीधे तौर पर करीब 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 61 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा। मौजूदा समय में सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर जून 2021 तक के लिए भत्ते में वृद्धि को फ्रीज किया हुआ है। कर्मचारियों को पिछली दर के हिसाब से 17 फीसदी डीए का भुगतान किया जा रहा है। इसका मतलब यह भी है कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी में कुछ समय लग सकता है। मार्च में सरकार ने केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों के डीए में चार फीसदी की वृद्धि की थी। हालांकि, अप्रैल में सरकार ने महामारी का हवाला देते हुए इसे जून 2021 से लागू करने का फैसला किया था। इससे पहले खबर आई थी कि सरकार दिवाली से पहले महंगाई भत्ते (डीए) में इजाफा कर सकती है और आधार वर्ष को 2016 कर सकती है। ऐसा करने पर केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन में सीधे तौर पर बढ़ोतरी होती, क्योंकि उनका महंगाई भत्ता सीपीआई-आईडब्ल्यू की गणना के आधार पर निर्भर है।

चिंताजनक: देश के 2764 बाल गृहों में बच्चों के साथ दुर्व्यवहार रोकने को नहीं हैं पर्याप्त उपाय

संवाददाता

नई दिल्ली। देश के 2764 बाल गृह संस्थानों में बच्चों को शारीरिक और मानसिक दुर्व्यवहार से बचाने के लिए पर्याप्त उपाय नहीं हैं, जिससे बच्चों को गहरे आघात की समस्या से गुजरना पड़ता है। यह जानकारी केंद्र सरकार की ओर से जारी सोशल ऑडिट रिपोर्ट में दी गई है। यह संख्या देश के कुल बाल गृहों की करीब 40 फीसदी है। देश के सभी बाल गृहों के लिए सोशल ऑडिट का आदेश साल 2018 में जारी किया गया था जब उत्तर प्रदेश के देवरिया और बिहार के मुजफ्फरपुर से लड़कियों के यौन उत्पीड़न की खबरें सामने आई थीं। यह सोशल ऑडिट देश भर के 7163 बाल गृह संस्थानों में कराया गया था, जिनमें 2.56 लाख बच्चे रहते हैं। इसमें पता चला कि 2764 संस्थान ऐसे हैं जिनमें बच्चों को किसी प्रकार से शारीरिक या मानसिक दुर्व्यवहार से बचाने के लिए पर्याप्त उपाय नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार राज्यों की बात करें तो अंडमान निकोबार में 93.8 फीसदी, त्रिपुरा में 86.8 फीसदी और कर्नाटक में 74.2 फीसदी बाल गृहों में इस तरह के मानकों का अभाव है।

1504 बाल गृहों में शौचालय का अभाव: रिपोर्ट के मुताबिक, 1504 बाल गृहों में शौचालय की सुविधा का अभाव है, वहीं 434 में शौचालय और स्नानगृह में निजता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के एक अधिकारी ने कहा कि ऐसे उपायों का अभाव वहां रहने वाले बच्चों के शारीरिक और भावनात्मक दुर्व्यवहार का कारण बन सकता है।

2039 बाल गृहों का पंजीकरण ही नहीं: रिपोर्ट के अनुसार 373 बाल गृह ऐसे हैं जहां किसी व्यक्ति के लिए प्रावधान, सफाई, मौसम और आयु के अनुरूप कपड़ों आदि का अभाव है। वहीं, 1069 बाल गृहों में बच्चों के लिए अलग से पलंग की व्यवस्था भी नहीं है। इसके अलावा रिपोर्ट बताती है कि 2039 यानी 28.5 फीसदी बाल गृह अभी तक पंजीकृत भी नहीं हैं।

बसपा के नए प्रदेश अध्यक्ष का दावा, मायावती बनेंगी यूपी की अगली मुख्यमंत्री

बलिया। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के चुने गए नए यूपी प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर ने दावा किया है कि बसपा सुप्रीमो मायावती उत्तर प्रदेश की अगली मुख्यमंत्री बनेंगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी कार्यकर्ता अपनी कमर कसकर अभी से तैयारी में लग जाएं। बसपा संस्थापक काशीराम साहब ने कहा था कि 21वीं सदी हमारी होगी। इसे साकार करने में सभी कार्यकर्ताओं की भूमिका अहम होगी। यह बातें उन्होंने बलिया जिले के फेफना स्थित कार्यालय पर आयोजित सम्मान समारोह में कही थीं। प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार संविधान को नकार रही है। संविधान एवं लोकतंत्र की हत्या करने पर तुली हुई है। चारों तरफ अराजकता का बोलबाला है। आए दिन हो रही हत्याएं, लूट, दुष्कर्म आदि घटनाएं यह साबित करती हैं कि प्रदेश में कानून का राज समाप्त हो गया है। अब लोग उम्मीद भरी निगाहों से बसपा मुखिया मायावती की तरफ देख रहे है। बसपा सर्वसमाज को साथ लेकर चलने में विश्वास करती है। राजभर समाज को यदि किसी ने सबसे अधिक मान-सम्मान दिया है तो वह बसपा है। पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ बसपा नेता अंबिका चौधरी ने कहा कि आमजन 2022 में बसपा मुखिया मायावती को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि सभी कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों एवं विचारों को जन-जन तक पहुंचाएं। इसके पूर्व फेफना चौराहा पर बसपा कार्यकताओं ने पूर्व मंत्री अंबिका चौधरी के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर का फूल-मालाओं एवं गगनभेदी नारों के साथ स्वागत किया।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलढाणा हलचल

युवाओं को शेळके से प्रेरणा लेनी चाहिए: राधेश्याम चांडक

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। सुनील शेलके ने अपनी दृढ़ता, कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट कार्य नैतिकता के कारण प्रशासन में अपना नाम बनाया है। उनके अच्छे काम को देखते हुए, सरकार ने उन्हें डिप्टी कलेक्टर के पद पर पदोन्नत किया। बुलदाना शहरी के संस्थापक अध्यक्ष राधेश्याम चांडक ने युवाओं से उनसे प्रेरणा लेने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने की अपील की।सुनील शेलके को डिपो कलेक्टर के रूप में तरक्की मिलने पर रविवार को डोंगरखंडाला ग्रामीणों की ओर से सम्मानित किया गया।आयोजित कार्यक्रम के अध्यक्ष के रुप मे श्री.चांडक बोल रहे थे।

मुख्य अतिथि के रूप में विक्रीकर आयुक्त श्रीकृष्ण टेकाळे, उप-विभागीय अधिकारी और डिप्टी कलेक्टर सिद्धार्थ भंडारे राजर्षी शाहू परिवार के अध्यक्ष संदीप दादा शेळके मंच पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। रिसेप्शन का जवाब देते हुए, सुनील शेलके ने कहा, मैं डोंगरखंडाला में छोटे से बड़ा हुआ हुं यहां स्कूल में सीखा। गाँव की मिट्टी में दृढ़ता और दृढ़ता ने जीवन में सफलता प्राप्त करना संभव बना दिया। गाँव में मेरा आतिथ्य एक घरेलू और भावनात्मक है। उन्होंने इस दौरान युवाओं का मार्गदर्शन भी किया। श्रीकृष्ण टेकाळे ने कहा कि सुनील शेलके एक शांत, संयमित और आदर्श अधिकारी हैं। डोंगातखण्डला गाँव का पानी अलग है। देश में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में सहकारी क्षेत्र के माध्यम सेराधेश्याम चांडक, सिद्धार्थ भंडारे, सुनील शेलके, दो डिप्टी कलेक्टर और कई डॉक्टर, वकील, इंजीनियर और इंजीनियरों के माध्यम से दुनिया में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ उपजिलाधिकारी सिद्धार्थ भंडारे द्वारा किया गया। राजर्षि शाहू फाउंडेशन के कार्यकारी अध्यक्ष शैलेश कुमार काकड़े ने कार्यक्रम का संचालन किया और गाँव के लोगों को धन्यवाद दिया।

राजस्थान हलचल

'ईरा' के राष्ट्रीय महासचिव जहांगीर को अमेरिका प्रैसीडेंट एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य द्वारा मिला सम्मान

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसैन

इंडियन रिपोर्ट्स एसोसिएशन (ईरा) के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद जहांगीर को अमेरिका प्रैसीडेंट एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य और वर्ल्ड मार्शल आर्ट्स काउंसिल के प्रेसीडेंट लेफ्टिनेंट जनरल जीएम प्रो. डॉ. जसबीर सिंह द्वारा सम्मान किये गये हैं। इस संबंध में बुधवार को प्रशस्ति पत्र जारी कर दिया गया है। इस संबंध में लेफ्टिनेंट जनरल जीएम प्रो. डॉक्टर जसबीर सिंह ने बताया कि इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन (ईरा) भारत के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद जहांगीर भारत में पत्रकारों के लिए अच्छा काम कर रहे हैं और वह पत्रकार होने के साथ ही साथ मार्शल आर्ट्स में ब्लैक बेल्ट भी हैं, इस लिहाज से लेफ्टिनेंट जनरल ग्रेंड मास्टर प्रो. डॉ जसबीर सिंह ने मोहम्मद जहांगीर को अपनी वर्ल्ड मार्शल आर्ट्स काउंसिल द्वारा भी सम्मान पत्र जारी किया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान आत्मरक्षा की दिशा में अच्छी समाज सेवा और पत्रकारिता की दिशा में उनके सुन्दर सकारात्मक प्रयासों को देखते हुए प्रदान किया गये हैं। साथ ही आगें भी भविष्य में है, इसी प्रकार के कार्य करने की बातें कहीं गई है। तदुपरांत लेफ्टिनेंट जनरल जीएम प्रो. डॉक्टर जसबीर सिंह ने यह भी कहा कि मो. जहांगीर भारत में पत्रकारों के लिए अच्छा काम कर रहे हैं और उन्हें सच्ची पत्रकारिता करने के लिए यूनाइटेड नेशन जर्नलिस्ट इंटर गवर्नमेंटल आर्गनाइजेशन यूएसए के लाईफ टाईम सदस्य भी मनोनीत किया जा चुका है। जिससे पत्रकारिता का स्तर और मजबूत होगा। इधर इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन परिवार के सभी सदस्यों को सूचना मिलने के बाद सभी में काफी हर्ष और उत्साह व्याप्त है। सभी ईरा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों और राज्य के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों ने इसे लेकर ईरा राष्ट्रीय महासचिव को बधाई और शुभकामनाएं दी है। साथ ही कहां है कि इस प्रकार के सम्मान को पाकर संगठन को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। जिससे बेहतरीन समाज और बेहतर कल के प्रति जवाबदेही का एक अच्छा और उद्देश्यपरक सामाजिक सरोकार का सौहार्दपूर्ण माहौल राष्ट्रहित, मानवहित के लिए अक्षुण्ण बनाए रखने हेतु पत्रिकारों के दायित्वबोध व सामाजिक समरसता व राष्ट्रीयता की की भावनाओं से ओतप्रोत होकर समाज के सच को कलमबद्ध करना हो या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में दिखाना, जुनून जिंदा रहता है।सच ही है सम्मान हमेशा ही उत्साहित करते हैं और कर्तव्यबोध भी बढ़ाते हैं।

जिले के पालक मंत्री डॉक्टर शिंगणे को नजरअंदाज कर जितेंद्र जैन के प्रवेश पर एनसीपी के कार्यकर्ता नाराज

बुलडाणा। जितेंद्र जैन ने हाल ही में एकनाथराव खडसे के मार्गदर्शन में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में प्रवेश ले चुके हैं। जब के एकनाथ खडसे अभी-अभी राष्ट्रवादी में प्रवेश लिए है। जितेंद्र जैन का अपने जिले को छोड़कर दूसरे जिले में जाकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में प्रवेश लेने से जिले के राष्ट्रवादी से जुड़े कार्यकर्ताओं में नाराजगी व्यक्त की जा रही है। क्योंकि बुलढाणा जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी कहां जाए तो डॉ राजेंद्र शिंगणे की पहचान है। क्योंकि जब से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की बुनियाद हुई है। तब से ही डॉ राजेंद्र शिंगणे ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद जी पवार इनसे जुड़े हुए हैं। और राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी के हर आला लीडर से वह जुड़े हुए हैं। हाल ही में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में प्रवेश लिए हुए एकनाथराव खडसे के मार्गदर्शन में जितेंद्र जैन ने कार्यकर्ताओं के सहित पार्टी में प्रवेश लिया। इस प्रवेश से राजनीतिक में कोई बदलाव के संकेत तो नहीं ऐसी भी चर्चा राजकीय जानकारों में जारी है। लेकिन एक र देखा जाए तो जितेंद्र जैन बहुजन वंचित अघड़ी में थे। इस पार्टी से जुड़कर उन्होने पार्टी के लिए कोई महत्वपूर्ण कार्य करते नहीं दिखाई दिए।

समस्तीपुर हलचल

आरोपियों की गिरफ्तारी क्यों नहीं: बंदना सिंह

समस्तीपुर। अपने साथ छेड़छाड़ का विरोध करने पर आरोपियों के द्वारा किरासन तेल छिड़ककर जलाई गई वैशाली जिले के देसरी थाना के गुलनाज खातुन शनिवार को पीएमसीएच में अंतिम सांस ली। वे पीछले 10 दिनों से जिन्दगी और मौत से लड़ रही थी। घटना पर आक्रोश व्यक्त करते हुए महिला संगठन ऐपवा के जिलाध्यक्ष सह माले नेत्री बंदना सिंह आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि बिहार में दुष्कर्म, दहेज हत्या, महिला उत्पीड़न के मामले में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। सुशासन की सरकार के प्रशासन पीड़िता को न्याय दिलाने के बजाय लेनदेन कर आरोपियों को बचाने के लिए खड़ी रहती है। सरकार के ईशारे पर प्रशासन जाति और धर्म देखकर कारबाई करती है। ऐसी ही गलत रवैया के कारण अपराधी सरेआम घटना को अंजाम देकर बच निकलते हैं। हमें ऐसे घटना को गंभीरता से लेना होगा। ऐसी घटना सरकार, प्रशासन एवं समाज के नाम पर कलंक है।उन्होंने कहा कि प्रशासन यदि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार नहीं करती है तो ऐपवा आंदोलन करेगी।

दलसिंहसराय एवं गुलनाज हत्याकांड के खिलाफ आइसा ने निकाला कैंडल मार्च

समस्तीपुर। दलसिंहसराय नवादा में एक ही परिवार पर नरसंहार के उद्देश्य फायरिंग- हत्याकांड एवं वैशाली के देसरी में छेड़खानी का विरोध करने पर गुलनाज को जिंदा जलाकर मारने के खिलाफ सोमवार की शाम आइसा द्वारा शहर के स्टेडियम गोलंबर से कैंडलमार्च निकाला गया। अपने हाथों में नारे लिखे कार्डबोर्ड एवं मोमबत्ती लेकर नारे लगाते हुए आइसा कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में ओवरब्रिज चौराहा स्थित अंबेडकर स्थल पहुंचे। मौके पर जुलूस सभा में तब्दील हो गया। जिला उपाध्यक्ष मनीषा कुमारी ने सभा की अध्यक्षता एवं शाहबाज न्याजी ने संचालन किया। मनीष यादव,

जिला सह सचिव प्रीति कुमारी, जिला उपाध्यक्ष मनीषा कुमारी, चांदनी भारती, जानवी कुमारी, द्रख्शा जबीं, राहुल कुमार, राजू झा, शिव झा, राजा कुमार, आशीष कुमार, ऋतिक, मो० सगीर, मो० अरबाज, अधिवक्ता अकबर रजा, आइसा जिला प्रभारी सह भाकपा माले नेता सुरेंद्र प्रसाद सिंह समेत दर्जनों कार्यकर्ताओं ने सभा को संबोधित किया। बतौर मुख्य वक्ता सभा को संबोधित करते हुए आइसा जिला सचिव सह राज्य उपाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि दलसिंहसराय के नवादा में एक ही परिवार के बच्चे एवं महिला समेत 2 लोगों को गोली मारकर हत्या एवं 5 लोग को घायल अपराधियों ने कर दिया। वहीं अपने साथ छेड़खानी का विरोध करने पर वैशाली जिला के देसरी में गुलनाज को जिंदा जलाकर मार दिया गया। ये दोनों घटना हृदयविदारक है। दोनों घटना के आरोपी छुट्टा घूम रहा है। प्रशासन अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार करें अन्यथा आंदोलन तेज किया जाएगा। कार्यक्रम में मीम सेना समस्तीपुर संगठन के जिला अध्यक्ष दानिश रहमान, जिला उपाध्यक्ष मीम सेना शारिक इब्राहिम, सेना समस्तीपुर संगठन से शादाब परवेज, मोहम्मद फैजान, मोहम्मद राजा, असद अहमद, इकबाल अफरीदी,प्लूरल के तेजस्वी राय समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने भी मार्च में भाग लेकर आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर कड़ी सजा देने की मांग की।

रामपुर हलचल

पुरानी रंजिश के चलते 5 माह की गर्भवति महिला के साथ लात घूंसे मार कर किया गया प्रताड़ित

टाण्डा (रामपुर)। पुरानी रंजिश के चलते 5 माह की गर्भवति महिला के साथ लात घूंसे मार कर किया गया प्रताड़ित ,पति सहित परिवार के अन्य लोगों को भी मारा पीटा गया, पीड़ित पक्ष ने कराया पुलिस को अवगत दे दी गई है तहरीर, नगरीय मोहल्ला निवासी मन्हारान मुहम्मद इमरान पुत्र अशरफ अली अपने मकान पर पत्नि गुल्नाज व परिवार के अन्य लोग मौजूद थे पति एवं पत्नि में घरेलू मामले को लेकर कहा सुनी हो रही थी तभी पड़ोस के निवासी फुरकान, रिजवान, जीशान पुत्रगण बन्ने व पिता बन्ने पुत्र नन्हे शाह उसके मकान पर आ धमके मौका पाकर पुराने किसी रंजिश को देखते हुए मु० इमरान पत्नि गुलनाज व जेठ आदि को मारना पीटना शुरू कर दिया जो पांच माह की गर्भवती हैं उसको पीड़ा पहुचा कर सभी के साथ गाली गलौच कर तथा थिनर छिड़क कर आग लगाये जाने बचाई एक साथ प्लानिंग कर कार्य को अन्जाम दिया गया तथा जान से मारे जाने की धमकी भी दी गई है मामले से सम्बंधित पुलिस को तहरीर देकर अवगत करा दिया गया है।

टूटा बिजली का खम्भा

टाण्डा (रामपुर)। नगर के मोहल्ला राहूपुरा में मुख्य मार्ग की पुर्वी दिशा में विकास मेडिकल स्टोर के पास एक एल.टी लाइन का बिजली का खम्भा किसी अज्ञात वाहन के चलते नीचे से टूट कर रह गया है जो तारों आदि के सहारे रूका हुआ है खम्भा टूटे जाने से सम्बंधित विभाग को अवगत करा दिया गया है कभी भी किसी भी समय बिजली आपूर्ति के दौरान बड़ा हादसा होने का खतरा मण्डराता नजर आ रहा है एक सप्ताह का समय पूर्व होने के साथ साथ नया खम्भा लगवाये जाने की व्यवस्था तक नहीं की जा सकी है।

दीपावली व अन्य त्योहारों के चलते नगर के मुख्य बाजार के अंदर काफी भीड़ भाड़ लगी रही

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। दीपावली व अन्य त्योहारों के चलते नगर के मुख्य बाजार के अन्दर काफी भीड़ भाड़ लगी रही वहीं ई रिक्शा बैट्री छोटे वाहनों के चलते मुख्य मार्ग पर यातायात अवरूद्ध रहा काफी समय तक वाहनों आदि की भीड़ लगी रही पैदल चलने यात्रियों आदि को काफी कठिनाइयों का सामना कर परेशानियां उठानी पड़ी सदर बाजार के अन्दर मुख्य चौराहों पर पुलिस की भी व्यवस्था रही कोतवाली माधो सिंह विष्ट सहित एस.आई रामवीर सिंह तथा अन्य पुलिस बल ने बीच बीच में घूमकर जायजा लिया जिसमें ई रिक्शा वालों का इधर उधर चलने के कारण जाम की स्थिति का होना पाया गया ई रिक्शा वालों के साथ सख्ती का रवैय्या अपना कर उनको समझाया गया एवं मार्ग पर जाम न लगाये सबंन्धी उनको बताकर अग्रिम कार्यवाही किये जाने की चेतावनी दी गई है त्यौहारों के मददेनजर कोतवाल माधो सिंह विष्ट सहित अन्य पुलिस बल भारी मात्रा में मौजूद रहा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रोज खाएं 1 एवोकाडो, मिलेंगे अनेक फायदे

एवोकाडो फ्रूट सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। विटामिन ए, बी, ई, फाइबर और प्रोटीन के गुणों से भरपूर एवोकाडो दिल से लेकर कैंसर के खतरे को कम करता है। रोजाना इसका सेवन शरीर में शुगर लेवल को भी कंट्रोल करता है। सेहत ही नहीं एवोकाडो खाना से कई स्किन और हेल्थ प्रॉब्लम भी होती है। लो फैट और मोनोसैचुरेटेड होने के कारण इसे खाने आपकी कई बीमारियों से निजात पा सकते है और कई परेशानियों से दूर रह सकते है। तो आइए जानते है रोजाना 1 एवोकाडो का सेवन करने से आप किन बीमारियों से बचे रह सकते है।

1. दिल के लिए फायदेमंद

विटामिन बी6 और फॉलिक एसिड से भरपूर एवोकाडो का रोजाना सेवन आपको दिल की बीमारियों से बचाता है। इसके अलावा किसी भी तरह की दिल की बीमारी में इसका सेवन बहुत फायदेमंद होता है।

2. जोड़ों में दर्द

इसमें आयरन, कैल्शियम और पोटेशियम के गुण होने के कारण यह सूजन और जोड़ों के दर्द को दूर करने में मदद करता है। इसके अलावा एंटी इंफ्लैमटॉरी गुणों से भरपूर एवोकाडो के तेल की मालिश करने से आप गठिया रोग की समस्या से छुटकारा पा सकते है।

3. ब्लड प्रैशर

रोज 1 एवोकाडो खाने से शरीर में रक्त चाप संतुलित रहता है। इससे आपको हाई-ब्लड प्रैशर की समस्या नहीं होती।

4. डायबिटीज

यह शरीर में शुगर को कंट्रोल करके इंसुलिन लेवल को संतुलित करता है, जोकि डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद है। इसलिए रोज 1 एवोकाडो जरूर खाएं।

5. आंखों की रोशनी

आंखों की रोशनी बढ़ाने और चश्में से छुटकारा पाने के लिए रोजाना इसका सेवन जरूर करें। इससे आंखों की रोशनी बढ़ने के साथ-साथ कई समस्याएं दूर होती हैं।

6. वजन बढ़ाना

अगर आप तेजी से वजन कम करना चाहते है तो अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करें। इसमें मौजूद पोषक तत्व तेजी से वजन कम करने में मदद करते है।

7. पाचन क्रिया

इसमें मौजूद फाइबर की मात्रा पेट को साफ करती है। इससे आपकी कब्ज, अपच और एसिडिटी की समस्या दूर होती है। रोज इसका सेवन करके आप पाचन क्रिया को ठीक रखा सकते है।

8. स्किन प्रॉब्लम

एवोकाडो तेल का इस्तेमाल आपकी कई हेल्थ और स्किन प्रॉब्लम को खत्म कर देता है। इस तेल से मसाज करने पर स्किन का रूखापन और दाग-धब्बे की समस्या खत्म हो जाती है।

बाल हो गए है बिल्कुल खराब तो अपनाएं यह असरदार तरीका

लोगों का रहन-सहन और खान-पान की आदतें काफी हद तक बदल चुकी है। ऐसे लाइफस्टाइल का न केवल हमारी सेहत पर असर पड़ता है बल्कि इसका हमारे चेहरे और बालों पर भी गहरा प्रभाव दिखता है। आजकल बहुत सी लड़कियों में बालों से जुड़ी समस्याएं जैसे- बालों में रूखापन, दोमुंहे बाल, सफेद बाल अन्य आदि प्रॉबल्म रहती है। ऐसे में हम लोग अपनी डाइट पर ध्यान देने के बजाएं, मार्केट में मिलने वाले तरह-तरह के प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल कर लेते है, जो बालों को और भी नुकसान पहुंचाते है। अगर आपके बाल भी बिल्कुल खराब हो चुके है तो उन्हें रिपेयर करने के लिए विटामिन ए का इस्तेमाल करें। विटामिन ई का तेल बालों, स्किन और नाखूनों के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है। अगर आपके बाल अधिक झड़ रहे है या फिर उनकी चमक गायब हो चुकी है तो आज हम आपको विटामिन ए इस्तेमाल करने के कुछ ट्रिक्स बताएंगे, जो काफी मददगार साबित भी होंगे।

विटामिन ए इस्तेमाल करने का तरीका

अगर आपके बाल बहुत ज्यादा खराब हो गए हैं तो आप विटामिन ए का कैप्सूल इस्तेमाल करें। विटामिन ए के कैप्सूल में सूई से छेद करें और सारा जेल निकालकर रात को सोने से पहले बालों में लगाकर सोएं।

विटामिन ए के फायदे

1. देता है एंटीऑक्सीडेंट्स

कई बार तनाव का असर हमारे बालों पर भी दिखाई देता है। विटामिन ए बालों को एंटीऑक्सीडेंट प्रदान कर स्ट्रेस से पैदा होने वाले टॉक्सिन्स का असर कम करता है। इसके नियमित इस्तेमाल से बाल हेल्दी होते है।

2. लंबे बाल

बहुत सी महिलाओं के बालों की ग्रोथ बीच में ही रूक जाती है, क्योंकि बालों को सही मात्रा में पोषक तत्व नहीं मिल पाते। बालों की ग्रोथ बढ़ाने के लिए नारियल तेल में विटामिन ए जेल मिलाकर स्कैल्प पर अच्छे से लगाएं। लगातार एक महीने तक ऐसा करने से बाल बढ़ने लगते है।

3. सफेद बाल

अगर आपके बाल उम्र से पहले ही सफेद हो गाए है तो विटामिन ए का इस्तेमाल करें। बालों में विटामिन ए तेल से सप्ताह में दो बार मसाज करें। इससे सफेद बालों की समस्या गायब हो जाएगी।

4. बालों में शाइन

रोजाना बालों में विटामिन ए तेल लगाने से बालों को डीप कंडीशनिंग मिलता है, इससे रूखे बालों में शाइन आती है और वह चमकदार और स्वस्थ रहते है।

पानी की कमी नहीं होने देंगे ये आहार

पानी स्वास्थ जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिसकी कमी होने पर मनुष्य को कई तरह की बीमारियां घेर सकती है। मानव शरीर का एक तिहाई हिस्सा पानी से बना होने के कारण दिन में इसे भरपूर मात्रा में पीना चाहिए। ताकि शरीर के विषैले पदार्थ आसानी से बाहर आ सकें। पानी की कमी को पूरा करने के लिए जरूरी नहीं कि केवल इसे पीने से ही पूर्ति होगी। आप कई फल और सब्जियों के सेवन से भी इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं और जिससे आप हेल्दी भी रह सकते हैं। आज हम आपको ऐसे फलों और सब्जियों के बारे में बताएंगे जिसे खाने से आप अपने शरीर में पानी की पूर्ति कर सकेंगे।

1. खीरा

खीरे का सेवन खाने के साथ सलाद और रायता के रूप में किया जाता है क्योंकि इसमें कई तरह विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं जो शरीर में पानी की कमी को पूरा करते हैं। यह कब्ज जैसी प्रॉब्लम में भी काफी फायदेमंद होता है।

2. पालक

पालक सेहत के लिए काफी पौष्टिक आहार हैं। यह शरीर में पानी की कमी को पूरा करने के साथ आयरन की कमी को भी पूरा करता है। पालक में पोटाशियम और फाइबर भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

3. स्टार फ्रूट

यह स्वाद में खट्टा जरूर होता है लेकिन शरीर में पानी की कमी नहीं रहने देता। इसके अलावा इसमें कई एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन्स पाए जाते हैं जो शरीर को कई बीमारियों से बचाता है।

4. टमाटर

इसका प्रयोग ज्यादातर सब्जियों, सलाद, सॉस और चटनी बनाने में किया जाता हैं। लेकिन शरीर में पानी की पूर्ति के लिए इसे सलाद के रूप में खाना चाहिए। टमाटर में मौजूद विटामिन सी और आयरन शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है।

5. अंगूर

अंगूर में ग्लूकोज, मैग्नीशियम और साइट्रिक एसिड पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। यह डायबिटीज के रोगियों के लिए बहुत लाभदायक होते हैं। इसे खाने से प्यास भी कम लगती हैं।

6. स्ट्रॉबेरी

इसमें ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में पानी की पूर्ति के साथ विटामिन ए, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉलिक एसिड, फास्फोरस आदि की मात्रा को भी पूरा करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

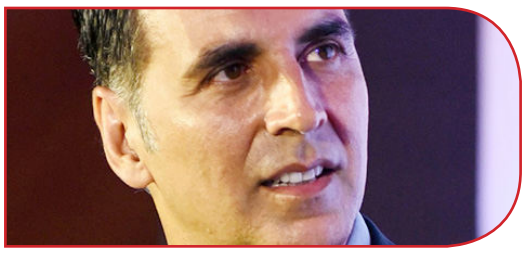

इस बॉलिवुड ऐक्टर को पसंद करती थीं काजोल

ऐक्ट्रेस काजोल के पर्सनल लाइफ के बारे में बात की जाए तो उन्होंने अजय देवगन के साथ शादी की और खुशी से अपनी जिंदगी बिता रही हैं। दोनों के बेटी निशा और बेटा युग है। वहीं, सिल्वर स्क्रीन पर शाहरुख खान के साथ उनकी केमिस्ट्री सुपरहिट रही है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि बॉलिवुड में अपने शुरूआती दिनों के दौरान काजोल को इंडस्ट्री में किसी और से बड़ा क्रश था। कपिल शर्मा के शो के एक एपिसोड के दौरान काजोल के बहुत अच्छे दोस्त करण जौहर ने खुलासा किया कि ऐक्ट्रेस का जिस पर क्रश था, वो कोई और नहीं अक्षय कुमार थे। करण जौहर ने बताया कि साल 1991 में वे ऋषि कपूर की फिल्म के प्रीमियर के समय की बात है। उन्होंने आगे कहा कि काजोल ने पूरे प्रीमियर इवेंट के दौरान अपने क्रश की तलाश की। हालांकि, उन्हें अक्षय कुमार नहीं मिले लेकिन ये दोनों एक-दूसरे के पक्के दोस्त जरूर बन गए। काजोल और अक्षय कुमार ने फिल्म 'ये दिल्लगी' में स्क्रीन स्पेस शेयर किया था।

आदित्य रॉय की नई फिल्म की घोषणा

हाल में फिल्म 'लूडो' में दिखाई दिए ऐक्टर आदित्य रॉय कपूर 16 नवंबर को अपना 35वां बर्थडे मना रहे हैं। बर्थडे के मौके पर आदित्य की अगली फिल्म की घोषणा भी हो गई है। इस फिल्म का डायरेक्शन अहमद खान करेंगे और इसका नाम 'ओमः द बैटल विदइन' रखा गया है। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अगले महीने दिसंबर में शुरू हो जाएगी। पहले कहा जा रहा था कि आदित्य की इस फिल्म में दिशा पाटनी और तारा सुतारिया को भी कास्ट किया जाएगा। हालांकि अभी तक इस बारे में कोई कन्फर्म खबर अभी तक नहीं आई है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म साल 2021 के बीच में कभी रिलीज की जाएगी। आदित्य की पिछली फिल्म 'मलंग' में भी उनके किरदार की काफी तारीफ हुई थी। आदित्य रॉय कपूर ने साल 2009 में अजय देवगन और सलमान खान की फिल्म 'लंदन ड्रीम्स' से डेब्यू किया था।

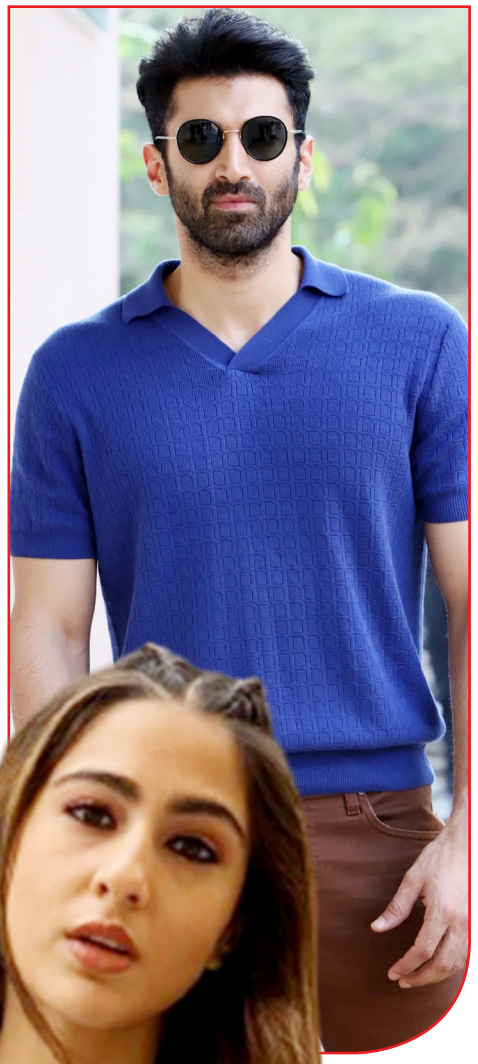

अगली फिल्म में बनेगी आयुष्मान और सारा की जोड़ी?

बॉलिवुड ऐक्टर आयुष्मान खुराना इस समय फिल्म 'चंडीगढ़ करे आशिकी' में काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आयुष्यान खुराना प्रड्यूसर दिनेश विजान के साथ एक अन्य फिल्म के लिए बात कर रहे हैं। खबर के मुताबिक, इस रोमांटिक कॉमिडी फिल्म में ऐक्टर के साथ सारा अली खान नजर आएंगी। हालांकि, आयुष्मान खुराना और दिनेश विजान ने अभी इस बात की पुष्टि नहीं की है। अगर रिपोर्ट सही है तो अनटाइटिल्ड फिल्म चर्चा के आखिरी पड़ाव पर है और एक बार पुष्टि होने के बाद साल 2021 में फिल्म फ्लोर पर जा सकती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो सारा अली खान फिल्म 'कुली नं. 1' में वरुण धवन के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म कोरोना वायरस के चलते रिलीज नहीं हो पाई थी। इसके अलावा ऐक्ट्रेस डायरेक्टर आनंद एल राय की फिल्म 'अतरंगी रे' की शूटिंग करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और धनुष दिखाई देंगे।